Chapter- १

देश हमारा न्यारा

STUDY NOTES

MIND MAP

पाठ प्रवेश

- हमारा देश भारत एक महान देश है जिसका एक गौरवशाली अतीत है तथा गौरवमयी संस्कृति व सभ्यता है । हमारा देश विश्व के समस्त देशों से अद्भुत व निराला देश है । मुझे अपने देश की संस्कृति व सभ्यता पर गर्व है ।
- हमारे देश का नाम भारत है जिसे हिंदुस्तान या इंडिया भी कहा जाता है । यह विश्व के एशिया महाद्वीप मे स्थित है। लगभग 200 साल के ब्रिटिश राज के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। भारत की राजधानी नई दिल्ली है । हमारे देश मे कुल 29 राज्य एवं 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं। भारत एक लोकतान्त्रिक देश है । भारत की जनसंख्या लगभग 121 करोड़ है। हमारे देश का क्षेत्रफल लगभग 32 लाख, 87 हजार वर्ग किलोमीटर है। स्वतन्त्रता दिवस , गणतन्त्र दिवस और महात्मा गांधी जयंती , भारत के राष्ट्रीय त्योहार है। हमारे देश का राष्ट्रीय ध्वज़ तिरंगा , राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम , राष्ट्रगान जन गण मन , राष्ट्रीय खेल हाकी , राष्ट्रीय पशु बाघ , राष्ट्रीय पक्षी मोर है। भोगोलिक दृष्टि से देखे तो भारत एक प्रायद्वीप है जो तीन ओर से जल से घिरा हुआ है। चीन , पाकिस्तान , बांग्लादेश , भूटान , नेपाल , श्रीलंका , म्यांमार आदि भारत के पड़ोसी देश हैं। हमारे देश एक कृषि प्रधान देश है । गेहूं , चावल , दालें, गन्ना आदि भारत की प्रमुख फसले है। हमारा देश मे कई प्रकृतिक खनिज पाये जाते है जैसे कोयला , लोह अयस्क , तांबा , आदि। हमारे देश मे कई भाषाएँ एवं बोलियाँ है । इस प्रकार हमारा देश अनेकता मे एकता का एक प्रतीक है।

पाठ सार

- हमारे देश की संस्कृति व सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है । यह देश ऋषियों-मुनियों का देश रहा है । भारत को इसीलिए अनेक महापुरुषों ने देवों की धरती कहा है क्योंकि यहाँ पर संस्कृति व सभ्यता पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और हजारों वर्ष बाद भी भारतीय संस्कृति उतने ही सशक्त व जीवंत रूप में विद्यमान है । हमारे देश की संस्कृति त्याग, बलिदान, प्रेम, सद्भावना, भाईचारा, श्रद्धा आदि महान नैतिक, शुद्ध व दैवी गुणों पर आधारित है ।
- विशाल हृदय वाली इस संस्कृति ने हमें अपने दुश्मनों से भी प्रेम करना सिखाया है । इसी धरती पर भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, त्याग की प्रतिमूर्ति महात्मा दधीचि, दानवीर कर्ण, महाप्रतापी व सत्यवादी राजा हरिश्चंद आदि महापुरुषों ने जन्म लिया । गाँधी जी जैसे युगपुरुष यहीं पर अवतरित हुए जिन्होंने बिना शस्त्र के 'सत्य और अहिंसा' के मार्ग पर चलते हुए भारत को स्वतंत्र कराया ।
- हमारे देश में कश्मीर से कन्याकुमारी तक तथा गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक विभिन्न भाषा, जाति, वेश-भूषा व विभिन्न मतों के लोग एक साथ निवास करते हैं । इतने विभिन्न रंगों को एकीकृत रूप में पिरोना भारत जैसे महान देश में ही संभव है । भारतीय संस्कृति की उदारता व महानता का यह साक्षात् प्रमाण है ।
- यहाँ विश्व के लगभग समस्त धर्मों के लोग परस्पर मेल-जोल से रहते हैं । सभी को बिना भेदभाव अपने धर्म को मानने व प्रचार-प्रसार की खुली अनुमति है । उत्तर से दक्षिण हो या फिर

पूर्व से पश्चिम हम भारत के किसी भी छोर पर जाएँ हमें जो भिन्नता यहाँ देखने को मिलेगी वैसी भिन्नता विश्व के शायद ही किसी कोने में उपलब्ध हो ।

नि:संदेह किसी भी भारतीय से हम प्रश्न करें तो उसका भी यही उत्तर होगा - ' सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा । '

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow